पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में हुआ 'गीत रामायण' का आयोजन
मुख्यमंत्री सहित महाराष्ट्र के मंत्री ने कार्यक्रम में सहभाग किया

लखनऊः 19 जनवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन के गांधी सभागार में विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,एवं विशिष्ट अतिथि महाराष्ट्र सरकार के वित्त एवं वन मंत्री श्री सुधीर मुनगंटीवार, विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित, प्रदेश की पर्यटन मंत्री डाॅ0 रीता बहुगुणा जोशी, लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, कुलपति प्रो0 श्रुति सडोलीकर काटकर की उपस्थिति में हिन्दी 'गीत रामायण' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकार के बीच हुये सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अनुबंध के अंतर्गत भातखण्डे संगीत संस्थान अभिमत विश्वविद्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश मराठी समाज एवं महाराष्ट्र समाज लखनऊ के सहयोग से किया गया। इस वर्ष महाराष्ट्र के प्रसिद्ध साहित्यकार स्वर्गीय जी0डी0 माडगुलकर एवं गायक स्वर्गीय सुधीर फड़के, जो 'गीत रामायण' के रचियता हैं का जन्म शताब्दी वर्ष है। राज्यपाल सहित सभी विशिष्टजनों ने स्वर्गीय जी0डी0 माडगुलकर एवं स्वर्गीय सुधीर फड़के की चित्र पर माल्यापण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में राज्यपाल सहित सभी विशिष्टजनों का सम्मान अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ देकर किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि 'राज्यपाल के नाते 'प्रोटोकाल' के अंतर्गत मैं सबसे अंत में बोलता हूँ। पर आज मैं प्रोटोकाॅल तोड़ रहा हूँ क्योंकि इस कार्यक्रम का मैं संयोजक भी हूँ।' यह प्रसन्नता की बात है कि राजभवन में वर्ष का पहला कार्यक्रम 'गीत रामायण' से शुरू हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि लोकमान्य तिलक के अजर-अमर उद्घोष 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' के 101 वर्ष पूर्ण होने के कार्यक्रम का आयोजन लोकभवन में हुआ था जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान का अनुबंध हुआ था।

श्री नाईक ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के रिश्तों को परिभाषित करते हुये कहा कि दोनों प्रदेशों का रिश्ता प्रभु राम चन्द्र के जमाने से है। प्रभु राम का जन्म अयोध्या में हुआ था पर वनवास के समय वे नासिक में रहे। शिवाजी का राज्याभिषेक काशी के विद्धान गागा भट्ट ने किया था। 1857 के स्वतंत्रता समर में तात्या टोपे, झांसी की रानी आदि का भी महाराष्ट्र से संबंध था। पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे महाराष्ट्र से संगीत लेकर उत्तर प्रदेश आये। इसी प्रकार काशी के घाटों का भी महाराष्ट्र से रिश्ता है। उत्तर प्रदेश में महाराष्ट्र के लोग और महाराष्ट्र के लोग उत्तर प्रदेश में पीढ़ियों से सहजता के साथ रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम दोनों प्रदेशों के रिश्तों को और मजबूत करेगा।

राज्यपाल ने कवि श्रेष्ठ ग0दि0 माडगुलकर से अपने पुराने संबंध साझा करते हुये बताया कि महाराष्ट्र में उन्हें लोग आधुनिक वाल्मीकि के नाम से जानते हैं। 'मेरा भाग्य है कि स्वर्गीय माडगुलकर मेरे पिता के विद्यार्थी थे और जब मैं पुणे पढ़ाई के लिये गया तो स्वर्गीय माडगुलकर के घर रहकर पढ़ाई की। स्वर्गीय माडगुलकर बाद में आमदार (विधायक) हो गये थे, मैं उन्हें बधाई देने गया तो उन्होंने आशीर्वाद देते हुये कहा कि तुम नामदार (मंत्री) बनो और उनके आशीर्वाद से 1998 में मैं अटल जी की सरकार में मंत्री भी बना।' राज्यपाल ने स्वर्गीय सुधीर फड़के के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये दोनों महापुरूषों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने विचार रखते हुये कहा कि यह मान्यता नहीं वास्तविकता है कि राम का जिसने साथ दिया वह ओजस्वी बना जैसे हनुमान जी घर-घर पूजे जाते हैं और वाल्मीकि रामायण लिखकर महाऋषि के नाम से अमर हो गये। राम का विरोध करने वाले मारीच का जीवन बोझ बन गया। विदेशों में भी लोग राम के प्रति आस्था रखते हैं। राम के नाम की ताकत है कि स्वर्गीय ग0दि0 माडगुलकर एवं स्वर्गीय सुधीर फड़के की जन्म शताब्दी पर गीत रामायण के चार कार्यक्रम वाराणसी, आगरा, मेरठ और राजभवन लखनऊ में आयोजित किये गये। उन्होंने कहा कि राजभवन में 'गीत रामायण' वास्तव में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर बापू को श्रद्धांजलि है।

विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का संबंध बहुत गाढ़ा है। जैसे उत्तर प्रदेश 'राम कथा' के वाचन की भूमि है उसी प्रकार 'गीत रामायण' महाराष्ट्र में बहुत लोकप्रिय रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे राज्यपाल श्री राम नाईक महाराष्ट्र के हैं और उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हर बार कुछ नया करने का प्रयास करते हैं उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के अमिताभ बच्चन महाराष्ट्र गये और महानायक हो गये।

महाराष्ट्र सरकार के वित्त एवं वन मंत्री श्री सुधीर मुनगंटीवार ने स्वर्गीय माडगुलकर और स्वर्गीय सुधीर फड़के को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि 'गीत रामायण' चिरंजीवी गीत है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अमर प्रेम है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के रिश्ते ऐसे आयोजनों से और आगे जायेंगे।

'गीत रामायण' कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा 'राम प्रभु सुनते हैं गायन', 'लीजिये दशरथ पायस दान', 'शुक्ल पक्ष नवमी तिथि चैत्र मास की', 'नाता नभ के साथ जुड़ गया', 'राम जा रहे वह तो सत्पथ', 'हे नौका तुम लौट न आना', 'माता न तू बैरिनी', 'नहीं और दोषी कोई', 'तोड़ते सुमन जो', 'धन्य मैं शबरी, रघुनन्दन', 'सेतु बाँधों रे', 'अंगद जा रावण को शीघ्र दो बता', 'मुझे प्रभु एकहि वर दीजे', एवं 'बच्चों राघव-नगरी जाना' आदि प्रसंग सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

राज्यपाल ने सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री आनन्द माडगुलकर सहित श्री आनंद गोडसे एवं श्री राजेन्द्र हसबनीस (तालवाद्य), श्री प्रणव कुलकर्णी (सिंथेसाइजर), श्री प्रसन्न बाम (हारमोनियम) ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण श्री कृष्ण कुमार मौर्या, श्री

हितेन्द्र कुमार, श्री प्रज्ञा विवेक मिश्रा, सुश्री प्रगति कृष्णन, सुश्री अर्पित गुप्त ने भी कार्यक्रम में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन श्री आत्म प्रकाश मिश्र ने किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (20/20)